

(1)

महाराष्ट्र शासन, पंजीयन
विभाग शोपाल

:: ग्रा दे श ::

शोपाल, दिनांक 20 अगस्त 2004

क्रांति संख्या ३-०४/०३/१०-१. राज्य शासन छारा शो. स्क. के. दोषिता, वनस्पतिपाल
को ३०८ कानिष्ठ श्रीं छारा के जें कां पदोन्नति दिनांक २०-८-२००३ से तंत्रायक
वन तंत्रायक के कानिष्ठ वेतनावान साथे ८०००-२७५-१३५०० में अस्थाई स्थ रो जागायि
आदेश तक स्वानापन्न स्थ रो पदोन्नति कर निपुणत किया जाता है तथा आगायि
आदेश तक उप वन अधिकारी, भीकनांव शां खरणीन शां वन मण्डल
के पद पर पदस्थ किया जाता है।

२. महाराष्ट्र लोक रेवा पदोन्नति नियम २००२ के अपोन दुष्प्राप्ति दुष्प्राप्ति
करने देहु नियमित्त रोटर के अनुसार पदोन्नति की प्रविष्टि रोटर पंजी में छर
दो गई है।

३. प्रगति कां जारा है कि म०७० लोक रेवा १८ अनुदृष्टि जातियों,
अनुदृष्टि जन जातियों और लिङ्ग वर्गों के लिए आरक्षण अधिनियम १९९४ क्रांति
२१ सं. १९९४ तथा म०७० लोक रेवा १८ पदोन्नति १८ नियम २००२ के उपबन्धों और
उक्त अधिनियम तथा नियमों के उपबन्धों के प्रभाव में राज्य शासन छारा चारों
किये गये आदेशों का अनुपालन किया गया है तथा उसे उक्त नियम को पारा -६ को
उपधारा -१ के उपबन्धों का मिलाया है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल के नाम रो
तथा आदेशानुसार

डॉ. कौ. कौ. पाल
छारा विभाग

महाराष्ट्र शासन, पंजीयन

पुढ़ेरन क्रांति संख्या ३-०४/०३/१०-१. शोपाल, दिनांक २०-०८-२००४
प्राप्तिकारी:-

१. प्रचिय, महाराष्ट्र लोक रेवा आन्दोलन को और वनस्पतिपाल रो
शासन का तंत्रायक के पार पर नियायों पदोन्नति भविति को विना
दिनांक १९-०८-२००३ के तंत्रों के उल्लंघन।

दूसरा दूसरा तथा तंत्रायक १०५० शोपाल।

३. अपर पुरान दुष्यं चन तरक्कि प्रशासनः राज्यान्वितमोपाल । /
दुष्यं चन तरक्कि के प्रशासनः अराध्यप्रित्ति मोपाल.
 ४. दंडिका एव तरक्कि थाड्हवा ।
 ५. दंडिपति यन दंडिकारी परगान वग्गु ।
 ६. दंडिपति अधिकारी ।
 ७. दंडि तपिय, वारो ज्ञो घन ।

को जोर उत्तरार्द्ध एवं आधार्यक फार्मियारी ऐहु ।

ANSWER

अयर राचिव
प्रध्युमेणा शारान्, पन चिभाग

卷之三

ମୁଦ୍ରଣ ତଥା ପ୍ରକାଶନ କମିଶନ ରାଜ୍ୟ ବିଭାଗ
ପ୍ରକାଶନ ବିଭାଗ । ୨୦୧୫ ମେ ୨୬ ୧୦୫୩

ગુરૂભાઈ એ પ્રદીપ સાહેબ રાજ સરણી (૮૩) નું ડાયામન જાણાનું અનુભવ કે આ વિધિની વિશ્વાસ
બાબત ના પાય ગયું, હી પાદ-દાદ. એવીની સુનાનાલ
ની અભિવૃતી ઓળખ નાચાની એવી એ ઉદ્ઘાટન કીની
કે અન્યાન્ય અન્યાન્ય એ એ અન્યાન્ય એ એ

26/8/04
26/8/04
26/8/04